आन्ध्रप्रदेश के समुद्री मात्स्यिकी विकास के लिए - एन आई एफ पि टी टी

जे. एस. मीना

राष्ट्रीय मत्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान

राष्ट्रीय मत्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अर्न्तगत पशुपालन डेयरी एवं मत्स्यिकी विभाग में आता है। इस संस्थान का मुख्यालय कोचीन में है। विशाखपट्टणम में इस विभाग का इकाई है।

पहले यह विभाग समेकित मीन उद्योग से जाना जाता था। अभी भारत सरकार के निदेशानुसार हमने विभाग का नाम बदल दिया है। विभाग का पहले गतिविधीयां मछली पकडना, नये नये उत्पाद बनाना तथा उत्पाद को बाजार में बेचना था। लेकिन अभी हमारा विभाग केवल मत्स्य उतपाद बनाता है तथा मत्स्य उत्पाद की बिक्री करता है। विभाग ने अभी अपनी क्रियाविधी में प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्मिलित कर लिया है। अभी हमारे विभाग की मुख्य क्रियाविधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना जिसमें की आंध्र में स्थित विश्वविद्यालय तथा कॉलेज के छात्र छात्राऐं तथा मत्स्यकारी महिला समूहों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना है। इसमे प्रशिक्षण कि अवधी 10 दिन से एक महीना तक होती है। जो कि प्रशिक्षणार्थी की आवश्यकता के अनुसार की जाती है। इसके अलावा हमारा विभाग कम मूल्य वाली मछली का संसाधन करके उच्च मूल्य वाले उत्पाद में बदलकर विभिन्न उत्पाद बनाते है, जैसे मछली का अचार, झींगा का अचार,मछली का कीमा, मछली का कटलेट, मछली का गोला एवं डिब्बा बन्द मछली तथा रिटारैवल पेकट बनाकर उसकी बिक्री करते है। उंची तकनीकी प्रशिक्षण द्वारा इन्डस्ट्री को इन्हें हस्तांतरित करते हैं।

हमारी विशाखपट्टणम इकाई पिछले दो सालों से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना प्रारम्भ कर दिया है। जिसमे की मुख्यतयः पूर्वीतट के सभी गाँवों के मत्स्यकारी महिला समूह तथा विभिन्न विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्रायें प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये आते है । हमारे वैज्ञानिक मछुवारों के पास जाकर उन्हें प्रशिक्षित करते हैं।

अभी हमारे विभाग का संसाधन प्लांट का आधुनीकरण कर रहे है। हमारे प्लांट को शष्मि दूना निर्यात केन्द्र में बदल रहे है। यह कार्य 6 महीने में पूरा हो जाएगा इसके लिए भारत सरकार से 1.86 करोड रूपये की मंजूरी भी प्राप्त हैं। उसके बाद कोई भी आम आदमी नियार्तक अपना उत्पाद नियार्त कर सकता है।